मंगल भावना समारोह

सरदारशहर का सफल चतुर्मास रहा : आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 21 नवज़्बर, 2010

आचार्य महाश्रमण सरदारशहर में सात महीनों के लज़्बे प्रवास के बाद 22 नवज़्बर को विहार करेंगे। इस उपलक्ष में आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के द्वारा तेरापंथ भवन में मंगल भावना समारोह का आयोजन किया गया। सरदारशहर के ऐतिहासिक चतुर्मास में लाखों लोगों का आवागमन रहा, यहां अनेक राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय शिविर आयोजित हुए। देशभर के सैकड़ों संघ उपस्थित हुए।

समारोह में मुज़्य अतिथि के रूप में रेलवे बॉर्ड के अध्यक्ष विवेक सहाय भी विशेष रूप से उपस्थित थे।

चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी ने राजस्थानी भाषा में मंगल भावना में आचार्य महाश्रमण के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए अपनी टीम, कार्यकर्त्ताओं से मिले सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया।

समारोह में स्थानीय विधायक अशोक पींचा, चातुर्मास व्यवस्था समिति के उपाध्यक्ष राजकरन सिरोहिया, स्वागताध्यक्ष बिमल कुमार नाहटा, स्थानीय तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा, चैनरूप चिण्डालिया, तेरापंथ महिला मण्डल की अध्यक्ष सुरज बरड़िया, अणुव्रत समिति के मंत्री मनीष पटावरी, हमीरमल सेठिया, गांधी विद्या मन्दिर के अध्यक्ष कनकमल दुगड़, स्थानीय तेयुप अध्यक्ष गौतम बाफना, रेवंतमल भाटी, किशोर मण्डल की तरफ से शुभम बरड़िया ने अपनी मंगल भावना व्यक्त की, स्थानीय तेरापंथ महिला मण्डल ने गीतिका के द्वारा अपनी भावनाएं व्यक्त की।

आचार्यश्री महाश्रमण ने अपने उद्बोधन में कहा आदमी को अज्ञान सबसे बड़ा अभिशाप है, अज्ञानी व्यक्ति को करणीय और अकरणीय कार्य का बोध नहीं होता है, ज्ञान प्रकाश करने वाला होता है। ज्ञान चेतना का विकास होना चाहिए। ज्ञान और आचार का जीवन में महत्व है।

उन्होंने मंगल भावना समारोह में अपने उद्बोधन में कहा कि मैं आचार्य महाप्रज्ञ के साथ आया किंतु आयुष्य का कोई पता नहीं कब क्या हो जाता है मनुष्य को हमेशा आत्मकल्याण की बात सोचनी चाहिए। हमारे सामने 9 मई का वह दिन आ गया हमने दवसें अधिशास्ता हमें छोड़कर चले गये।

उन्होंने उनका सरदारशहर प्रवेश पर आचार्य महाप्रज्ञ के उद्बोधन का उल्लेख करते हुए कहा कि आचार्य महाप्रज्ञ ने जब प्रवेश किया तो उन्होंने पहले यही कहा कि मैं पहला चातुर्मास महाश्रमण का देखना चाहता हूं यह उनके मुंह से अनायास निकल गया या उन्हें पहले पता था कुछ कहा नहीं जा सकता। हमें दसवें गुरु का वियोग देखने को मिला।

हमने विशाल नवनिर्मित तेरापंथ भवन में चातुर्मासिक प्रवास किया, अब हमें रास्ते में चलना है साधु को किसी स्थान या भवन का मोह नहीं करना चाहिए साधु का तो काम है चलते रहना और गांव-गांव पैदल यात्रा करते हुए लोगों को ज्ञान देना, उनके दु:ख को दूर करना।

उन्होंने कहा कि सरदारशहर में हमारा सफल चतुर्मास हुआ यहां की जनता नैतिकता के साथ कार्य करे, जीवन में धार्मिकता रहे, धर्म को अपने जीवन में उतारें, मनुष्य जीवन बार-बार नहीं मिलता, मनुष्य जन्म मिला है तो इसका अच्छा उपयोग कर अपने जीवन को सफल बनाने का प्रयास करे, भलाई का काम करें।

उन्होंने यह भी कहा यहां के कार्यकर्त्ताओं ने जागरूकता निष्ठा से कार्य किया। सुमतिचन्द गोठी अध्यक्ष होते हुए भी इन्होंने कुटिरों में स्वयं जाकर यात्रियों से कुशलक्षेम पूछी यह भी एक उदाहरण बन गया कि मुज़्या को कैसा होना चाहिए।

इस अवसर पर चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी ने रेलवे बॉर्ड के चेयरमैन विवेक सहाय को समिति की ओर से मोंमेटो व साहित्य द्वारा सज़्मान किया। कार्यक्रम का प्रारंभ स्थानीय तेरापंथ कन्या मण्डल के मंगलाचरण से हुआ। कार्यक्रम का संचालन व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दुगड़ ने किया।

प्रवचन के पश्चात आचार्य महाश्रमण कुबेर हाउस पधारे, जहां मूलचन्द विकास कुमार मालू परिवार द्वारा पूज्यप्रवर का स्वागत किया गया, मालू परिवार को सेवा का अवसर प्रदान किया।

आचार्य महाश्रमण का मंगल विहार आज

चातुर्मास व्यवस्था समिति के महामंत्री रतन दुगड़ ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि तेरापंथ धर्मसंघ के ग्यारहवें अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपना चतुर्मास संपन्न कर तेरापंथ भवन से प्रदेशी राजा का व्याज़्यान देकर 22 नवज़्बर को सुबह 10.05 बजे भव्य जुलूस के साथ विहार करेंगे। जुलूस तेरापंथ भवन से घण्टाघर, मुज़्य बाजार होते हुए मघवा स्मारक पहुंचेगा जहां रात्रि प्रवास संपन्न कर 23 नवज़्बर प्रात: 7 बजे मघवा स्मारक से सवाई गांव की ओर प्रस्थान करेंगे।

रेलवे बॉर्ड के चेयरमेन ने की ब्रोडगेज की घोषणा

तेरापंथ भवन में आचार्य महाश्रमण के दर्शनार्थ आए समारोह में मुज़्य अतिथि के रूप में रेलवे बॉर्ड के चेयरमेन विवेक सहाय ने कहा कि यह मेरे सौभाग्य की बात है कि मैं आचार्य महाश्रमण के दर्शन का अवसर मिला।

उन्होंने ब्रोडगेज की घोषणा करते हुए कहा कि रेलवे का संबंध राजस्थानी लोगों से ज्यादा है क्योंकि राजस्थान के लोग ही रेल यात्रा ज्यादा करते हैं। राजस्थान का बहुत विकास हुआ है। अब जल्द ही सरदारशहर में ब्रोडगेज पहुंच जाएगी, उनके इस अभिभाषण से लोगों ने ओम अर्हम की हर्ष ध्वनि से स्वागत किया।

- शीतल बरड़िया